

स्रावित वि. (तत्.) 1. स्राव द्वारा निकाला हुआ 2. टपकाया/बहाया/चुआया हुआ।

स्रावी वि. (तत्.) 1. चुआने वाला 2. बहाने वाला।

स्राव्य वि. (तत्.) जो चुआया, टपकाया या बहाया जा सके।

स्रिंग पुं. (तद्.) चोटी, शिखर।

स्रिग पुं. (तद्.) पुष्पमाला।

स्रिजन पुं. (देश.) सर्जन।

स्रिप स्त्री. (देश.) श्री।

स्रुक स्त्री. (तद्.) सुवा, लकड़ी की बनी हुई एक प्रकार की छोटी करछी जिससे हवनादि में कंधी की आहुति देते हैं।

स्रुगा पुं. (देश.) स्वर्ग।

स्रुग्जिह्व पुं. (तत्.) अग्नि, आग।

स्रुत वि. (तत्.) चूआ हुआ।

स्रुति स्त्री. (तद्.) 1. श्रुति, वेद उदा. अनंत कथा स्रुति गाई -सूरसागर 2. कर्ण, कान।

स्रुतिमाथ पुं. (देश.) विष्णु।

स्रुव पुं. (तत्.) यज्ञ की अग्नि में धी आहुति देने के लिए पलाश आदि की लकड़ी का बना हुआ एक पात्र, चमचा।

स्रुवा स्त्री. (तत्.) 1. लकड़ी की बनी हुई एक प्रकार की छोटी करछी जिससे हवनादि में कंधी की आहुति देते हैं 2. सलई का वृक्ष 3. निर्झर, झरना।

स्रू स्त्री. (तत्.) 1. सुवा 2. झरना, प्रपात।

स्रेनी स्त्री. (देश.) श्रेणी।

स्रोणि पुं. (तत्.) नितंब, चूतड़।

स्रोत पुं. (तत्.) 1. पानी का बहाव, धारा 2. विशेषतः तीव्र धारा 3. पानी का सोता, झरना 4. आधार या साधन, जिससे कोई वस्तु बराबर निकलती या आती हुई किसी को मिलती रहे 5. वंश-परंपरा 6. वैद्यक के अनुसार शरीर के वे

छिद्र या मार्ग जो पुरुषों में प्रधानतः 9 और स्त्रियों में 11 माने गए हैं इनके द्वारा प्राण, अन्न, जल, रस रक्त, मांस, मोद, मल, मूत्र, शुक्र और आर्तव का शरीर में संचार होना माना जाता है।

स्रोत आपत्ति स्त्री. (तत्.) बौद्ध शास्त्र के अनुसार निर्वाण-साधना की प्रथम अवस्था जिसमें सांसारिक बंधन कम होने लगते हैं।

स्रोत आपन्न वि. (तत्.) जो निर्वाण साधना की प्रथम अवस्था पर पहुँचा हो।

स्रोत नाम पुं. (तत्.) 1. किसी स्थान/जाति आदि के नाम को समझाने के लिए कल्पित महापुरुष 2. किसी नाटक आदि का वह पात्र जिसके नाम पर नाटक आदि का नाम रखा गया है। eponym

स्रोतपत पुं. (तद्.) समुद्र।

स्रोत शब्द मूल पुं. (तत्.) 1. शब्द का यथार्थ स्रोत शब्द, शब्द का उद्गम 2. मूल धातु etymon

स्रोम सामग्री स्त्री. (तत्.) किसी विषय के संबंध में जानकारी के लिए मूलभूत तथा प्रामाणिक सामग्री जैसे- राष्ट्रनीति पर लेख लिखने के लिए हमारे पुस्तकालय में बहुत स्रोत सामग्री है।

स्रोतस्य पुं. (तत्.) 1. शिव का एक नाम 2. चोर।

स्रोतस्वती स्त्री. (तत्.) 1. धारा 2. नदी।

स्रोतस्विनी स्त्री. (तत्.) 1. नदी 2. धारा।

स्रोता पुं. (तद्.) सुनने वाला।

स्रोतापत्ति स्त्री. (तद्.) नदी/स्रोत में प्रवेश (बौद्ध), 1. निर्वाण-मार्ग में प्रवेश 2. धर्म का आश्रय 3. धर्मोन्मुखता 4. पाप-निवृत्ति 5. रूपांतरण 6. निर्वाण की कामना।

स्रोतोजन पुं. (तत्.) आँखों में लगाने का सुरमा।

स्रोतोपन्न वि. (तत्.) नदी/स्रोत में प्रविष्ट (बौद्ध) जिसकी स्रोतापत्ति हो चुकी हो पुं. नदी/स्रोत में प्रविष्ट व्यक्ति

स्रोतो वहा स्त्री. (तत्.) नदी।

स्रोत पुं. (देश.) श्रवण।